आया हवा का झोंका लाया शुभ संदेशा लाया बाबोसा भजन

आया हवा का झोंका लाया,
शुभ संदेशा लाया,
मंगल बेला अनुपम अवसर,
अंगना हमारे आया,
बाबोसा के द्वार पे भक्तो,
आनंद मंगल छाया,
मिग्सर की पांचम का मेला,
चुरू धाम बुलाया,
आओ सब चुरू चले,
बाबोसा के धाम के चले,
आया हवा का झोका लाया।bd।

तर्ज – उड़ जा काले कौवा तेरे।

मिग्सर पाँचम चुरू धाम में,
मेला लागे भारी,
दूर दूर से दर्शन करने,
आवे नर और नारी,
स्वर्णिम है इतिहास ये देखो,
दिन ये बड़ा ही प्यारा,
राजतिलक हुआ बाबोसा का,
हर्षित है जग सारा,
आओ सब चुरू चले,
बाबोसा के धाम के चले,
आया हवा का झोका लाया।bd।

मन की मुरादे पूरी होती,
आते जो चुरू धाम,
तांती भभूति जल से ही,
वहाँ बनते है हर काम,
उत्सव है ये बड़ा सुहाना,
कही भूल न जाना,
चुरू धाम जो आये दिलबर,
हो जाये इनका दीवाना,
आओ सब चुरू चले,
बाबोसा के धाम के चले,
आया हवा का झोका लाया।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

आया हवा का झोंका लाया,
शुभ संदेशा लाया,
मंगल बेला अनुपम अवसर,
अंगना हमारे आया,
बाबोसा के द्वार पे भक्तो,
आनंद मंगल छाया,
मिग्सर की पांचम का मेला,
चुरू धाम बुलाया,
आओ सब चुरू चले,
बाबोसा के धाम के चले,
आया हवा का झोका लाया।bd।

लेखक / प्रेषक – दिलीप सिंह सिसोदिया दिलबर।
9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com